भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3237

23 मार्च, 2022 को उत्तर के लिए

इस्पात संयंत्रों में वृद्धि

3237. श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:

श्री सुब्रत पाठक:

श्री सुधीर गुप्ता:

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:

श्री बिद्युत बरन महतो:

श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:

श्री प्रतावराव जाधव:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश में सरकार और इस्पात संयंत्र स्थापित करने के बारे में सोच रही है क्योंकि दिनों-दिन इस्पात की माँग बढ़ रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इस्पात के मामले में आयात पर निर्भरता ने भारतीय बाजार को प्रभावित किया है जिससे इस्पात की कीमत में वृद्धि हुई है;

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और चालू वर्ष में इस्पात की आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए सरकार द्वारा कौन से कदम उठाए गए हैं;

(घ) क्या सरकार को ज्ञात है कि देश के विभिन्न भागों में लौह अयस्क बड़े भंडार का अभी दोहन नहीं हो पाया है और यदि हाँ, तो राज्य-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) राज्य सरकारों की मदद से लौह अयस्क के दोहन के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं; और

(च) क्या सरकार का देश में लौह अयस्क के उत्पादन को बढ़ाने के लिए लौह आधारित और उद्योगों की स्थापना का प्रस्ताव है और यदि हाँ, तो राज्य-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री राम चन्द्र प्रसाद सिंह)**

(क): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और सरकार की भूमिका केवल सुविधाप्रदाता की है। इस्पात संयंत्रों के स्थापना संबंधी निर्णय अलग-अलग पीएसयू द्वारा तकनीकी-वाणिज्यिक सोच-विचारों के आधार पर लिए जाते हैं।

(ख) और (ग): भारत दूसरा सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक है और निवल निर्यातक है। इस्पात की घरेलू खपत में इस्पात के आयात का हिस्सा काफी कम है। इस्पात के एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र होने के कारण,

कीमतें बाजार की वैश्विक स्थितियों, कच्चे माल की कीमतों में रुझानों, लॉजिस्टिक लागत, विद्युत एवं संयंत्र लागत इत्यादि जैसे विभिन्न कारकों से प्रभावित होती हैं। विगत 3 वर्षों के दौरान तैयार इस्पात के उत्पादन, खपत, आयात और निर्यात के आंकड़े निम्नलिखित हैं:

वित्त वर्ष	**उत्पादन**	**खपत**	**आयात**	**निर्यात**
2018-19	101.29	98.71	7.84	6.36
2019-20	102.62	100.17	6.77	8.36
2020-21	96.20	94.89	4.75	10.78
2021-22 (फरवरी, 2022 तक)	102.98	96.03	4.32	12.30
*स्रोत: जेपीसी				

इस्पात के आयातों को और कम करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों में शामिल हैं:

(i) सरकार के साथ-साथ घरेलू इस्पात उद्योग को अभिप्रेत आयातों का विस्तृत विवरण प्रदान करने के उद्देश्य से इस्पात आयातों के अग्रिम पंजीकरण के लिए इस्पात आयात निगरानी प्रणाली, और

(ii) देश में 'विशेष इस्पात' के विनिर्माण की स्थापना को सुगम बनाने हेतु 6,322 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ विशेष इस्पात के लिए उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना।

(घ): भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण संभावित खनिज-युक्त क्षेत्रों को खोजने/पता लगाने के उद्देश्य से देशभर में भू-वैज्ञानिक मानचित्रण (मैपिंग) और गवेषण गतिविधियाँ चलाता है। भारत सरकार देश में लौह अयस्क गवेषण कार्य करता रहा है और विगत 3 वर्षों एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021-22 में जीएसआई द्वारा किए गए लौह अयस्क गवेषण का राज्य-वार ब्यौरा **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

(ङ) और (च): सरकार ने लौह अयस्क के गवेषण और उत्पादन के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- जीएसआई संपूर्ण भारत में भू-वैज्ञानिक/भू-भौतिकीय/भू-रासायनिक मानचित्रण (मैपिंग) के जरिए भू-विज्ञान संबंधी बेसलाइन डाटा सृजित कर रहा है, जो खनिज गवेषण कार्यकलापों की योजना बनाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।
- जीएसआई लौह अयस्क सहित विभिन्न खनिज सामग्रियों के लिए संसाधन में वृद्धि करने के उद्देश्य से एमईएमसी संशोधन नियम, 2021 का पालन करते हुए 'आवीक्षण सर्वेक्षण' [जी4], 'प्रारंभिक गवेषण' [जी3] और 'सामान्य गवेषण' [जी2] करता है। खनिज रियायत की नीलामी के लिए संसाधन संबंधी जी2/जी3 रिपोर्टें संबंधित राज्य सरकारों को सौंपी जाती हैं।

  खान और खनिज (विकास और विनियमन) (एमएमडीआर) अधिनियम, 2015 के संशोधन के बाद खनन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए, जीएसआई ने 25 लौह अयस्क संसाधन संबंधी जी2/जी3 रिपोर्टों को संबंधित राज्य सरकारों को नीलामी प्रक्रिया में विचार करने के लिए सौंपे गए हैं। हाल ही में, खनिज (खनिज अंतर्वस्तु का साक्ष्य) द्वितीय संशोधन नियम, 2021 (एमईएमसी) (संशोधित एमएमडीआर अधिनियम, 2021) का पालन करते हुए जीएसआई ने संबंधित राज्य सरकारों को मिश्रित लाइसेंस के रूप में नीलामी के लिए लौह अयस्क संबंधी 17 भू-वैज्ञानिक ज्ञापन सौंपे गए।
- एमएमडीआर अधिनियम, 2015 के संशोधन के बाद जीएसआई ने देश में 1470.20 मिलियन टन लौह अयस्क संसाधनों का संवर्धन किया है।

****

अनुलग्नक-I

विगत तीन वर्षों और वर्तमान क्षेत्र कार्य अवधि (फील्ड सीजन) 2021-22 के दौरान जीएसआई द्वारा लौह अयस्क गवेषण का ब्योरा

क्र.सं.	क्षेत्र कार्य अवधि	क्षेत्र	राज्य	जिला	खनिज ब्लॉक / क्षेत्र / बेल्ट का नाम	यूएनए फसी चरण	खनिज सामग्री
1	2018-19	सीआर	महाराष्ट्र	सिंधुदुर्ग	वाघमाला और मोरले क्षेत्र	जी4	क्रोमाइट, निकेल, लोहा और मैंगनीज
2		सीआर	छत्तीसगढ़	महासमुंद	गोपालपुर	जी4	लोहा
3		सीआर	मध्यप्रदेश	सिंगरौली	बिरकुनिया - बड़वानी - छतरी क्षेत्र	जी4	सोना, लोहा
4		ईआर	ओडिशा	सुंदरगढ़	अलाघाट पश्चिम	जी2	लोहा
5		ईआर	ओडिशा	केन्दुझर	नुआगन पश्चिम	जी2	लोहा
6		ईआर	ओडिशा	सुंदरगढ़	केडेसला उत्तर-पूर्व	जी3	लोहा
7		ईआर	झारखंड	पश्चिम सिंहभूम	बराइबुरु	जी3	लोहा और मैंगनीज
8		ईआर	ओडिशा	केन्दुझर और सुंदरगढ़	गंधलपाड़ा पश्चिम	जी3	लोहा
9		ईआर	ओडिशा	संबलपुर	टिकिबा-फसीमल-अर्दपाली	जी4	लोहा और मैंगनीज
10		एसआर	आंध्रप्रदेश	अंनतपुर	ओबुलपुरम	जी4	लोहा
11		एसआर	तेलंगाना	करीमनगर	दुमलकुंटा और रागमपेट	जी4	लोहा
12		एसआर	तेलंगाना	करीमनगर	गोलापल्ली	जी4	लोहा
13		सीआर	मध्यप्रदेश	सिद्धि	गांधीग्राम	जी3	लोहा
14		सीआर	महाराष्ट्र	सिंधुदुर्ग	अम्बडगांव-मटना	जी4	लोहा
15		ईआर	ओडिशा	मयूरभंज	बादामपहाड़-सुलीपत जशीपुर	जी4	लोहा
16		ईआर	ओडिशा	सुंदरगढ़	पटामुंडा (उत्तर)	जी3	मैंगनीज और लोहा

17	**2019-20**	ईआर	ओडिशा	केन्दुझर	कैंदुडीही उत्तर	जी3	लोहा
18		ईआर	ओडिशा	केन्दुझर	उलिबुरु	जी4	लोहा और मैंगनीज
19		ईआर	ओडिशा	क्योंझर	गंधलपाड़ा पश्चिम	जी2	लोहा
20		ईआर	झारखंड	पश्चिम सिंहभूम	कुमडि	जी4	लोहा और मैंगनीज
21		ईआर	झारखंड	पश्चिम सिंहभूम	कडाफ	जी4	लोहा और मैंगनीज
22		ईआर	झारखंड	पश्चिम सिंहभूम	मारंग पोंगा - कोडालीबाद - थोलकाबाद	जी4	लोहा और मैंगनीज
23		ईआर	झारखंड	पश्चिम सिंहभूम	करमपाड़ा पश्चिम	जी3	लोहा और मैंगनीज
24		ईआर	झारखंड	पश्चिम सिंहभूम	करमपाड़ा पूर्व	जी3	लोहा और मैंगनीज
25		ईआर	बिहार	जमुई	माजोस	जी2	लोहा
26		ईआर	ओडिशा	केन्दुझर	लौपाडा	जी2	लोहा
27		ईआर	ओडिशा	केन्दुझर	पुटुलिपनि	जी2	लोहा
28		एनईआर	मेघालय	पश्चिमी खासी हिल्स	नोंगडोम-लैंगटोर	जी3	लोहा
29		एनआर	उत्तरप्रदेश	सोनभद्र	ब्लॉक 'बी', भरहरी	जी3	लोहा
30		एसआर	आंध्रप्रदेश	कुर्नूल	वेल्डुरथी	जी3	लोहा
31		एसआर	आंध्रप्रदेश	प्रकाशम	जुविकुंटा और पेद्दा अलवलापाडु	जी4	लोहा
32		एसआर	आंध्रप्रदेश	प्रकाशम	अय्यावरिपल्ले-चुंडी- मालाकोंडा	जी4	लोहा
33		एसआर	आंध्रप्रदेश	कडपा	लेटापल्ले	जी4	लोहा
34		एसआर	आंध्रप्रदेश	कडपा	नागयापल्ले-कोंडुरु	जी4	लोहा
35		एसआर	तेलंगाना, आंध्रप्रदेश और छत्तीसगढ़	भद्राद्री-कोठागुडम, पूर्वी गोदावरी	गोट्टुगुडेम-कोंडिपल्ले	जी4	लोहा

				और सुकमा			
36		एसआर	कर्नाटक	हवेरी	मसूर- कण्वी सिद्धगेरी	जी4	मैंगनीज और निम्न ग्रेड का लोहा
37		एसआर	कर्नाटक	हवेरी और दावणगेरे	चिक्का- गोनागेरी-गोविनाहल्लू	जी4	मैंगनीज और निम्न ग्रेड का लोहा
38		एसआर	कर्नाटक	शिमोगा	हितला-गिलालगुंडी	जी4	मैंगनीज और निम्न ग्रेड का लोहा
39		एसआर	कर्नाटक	उत्तर कर्नाटक	देवनमने और गुमलागद्दे	जी4	मैंगनीज और निम्न ग्रेड का लोहा
40		एसआर	आंध्रप्रदेश	चित्तूर	गडंकी और बोम्मय्यपल्ली	जी4	लोहा
41		एसआर	आंध्रप्रदेश	अनंतपुर	ओबुलापुरम	जी4	लोहा
42		डब्ल्यूआर	राजस्थान	जयपुर	बनोल	जी4	लोहा
43		डब्ल्यूआर	राजस्थान	जयपुर	मोरिजा	जी4	लोहा
44	**2020-21**	ईआर	ओडिशा	केन्दुझर	जजांग	जी2	लोहा और मैंगनीज
45		ईआर	ओडिशा	केन्दुझर	जलाहुरी	जी2	लोहा और मैंगनीज
46		ईआर	ओडिशा	केन्दुझर	रोयड़ा-I	जी2	लोहा
47		ईआर	ओडिशा	केन्दुझर	चोरमाल्डा	जी4	मैंगनीज और लोहा
48		ईआर	ओडिशा	केन्दुझर	बालिता और इंगनिझरण	जी4	लोहा और मैंगनीज
49		ईआर	ओडिशा	सुंदरगढ़	पटामुंडा पूर्व	जी3	लोहा और मैंगनीज
50		डब्ल्यूआर	राजस्थान	जयपुर	मोरिजा	जी3	लोहा
51	**2021-22**	एसआर	कर्नाटक	हवेरी और दावणगेरे	मेलाबेन्नूर	जी4	लोहा , मैंगनीज, कोबाल्ट
52		ईआर	बिहार	जमुई	भंता	जी3	लोहा

***